http://www.mpboardonline.com

MP Board Class 8th Hindi Sugam Bharti Solution

Chapter 16 साँची

प्रश्न अभ्यास

अनुभव विस्तार

प्रश्न 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही जोड़ी बनाइए

(अ) साँची का बौद्ध स्तूप	- 1. गुम्बदनुमा इमारत दिखाई दे रही थी।
(ब) पहाड़ी पर बनी एक	- 2. काँच की मंजूषा में प्रदर्शित किया गया है।
(स) सतधारी स्तूप से प्राप्त अवशेषों को	- 3. लकड़ी का भ्रम होता है।
(द) पत्थर पर की गई पॉलिश को देखकर	- 4. विश्व धरोहरों में से एक है।

उत्तर

(अ) 4, (ब) 1, (स) 2, (द) 3

(ख) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए

(अ) साँची अपने .....के लिए विश्व प्रसिद्ध है। (आश्रम, बौद्ध स्तूप)

(ब) साँची .....जिले में स्थित है।(भोपाल, रायसेन)

(स) स्तूप क्रमांक 3 में भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों के अवशेष रखे गए थे। (दो, चार)

(द) साँची के निकट का सुविधा एक प्रमुख रेलवे स्टेशन .....है। (इटारसी, विदिशा)

उत्तर

(अ) बौद्ध,

(ब) रायसेन

(स) दो

(द) विदिशा।

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 2.

(क) साँची कहाँ पर स्थित है?

(ब) बौद्ध धर्म के प्रवर्तक कौन हैं?

(स) साँची के स्तूप का आकार किस प्रकार का है? ।

(द) बौद्ध धर्म विश्व के किन-किन देशों में प्रचलित है?

(ई) साँची क्यों प्रसिद्ध है?

उत्तर

(अ) साँची मध्य-प्रदेश के रायसेन जिला में स्थित है।

(ब) बौद्ध धर्म के प्रर्वत्तक महात्मा बुद्ध हैं।

(स) साँची के स्तूप का आकार गुम्बदनुमा है।

(द) बौद्ध धर्म भारत, चीन, जापान, मंगोलिया, तिब्बत, म्यांमार, कम्बोडिया आदि देशों में प्रचलित है।

(इ) साँची अपने स्तूपों, विहारों, मंदिरों और तोरणद्वारों के लिए प्रसिद्ध है।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 3.

(अ)

साँची के स्तूपों का मुख्य आकर्षण क्या

उत्तर

साँची के स्तूपों का मुख्य आकर्षण है कि यह एक विशाल अर्द्ध गोलाकार गुम्बद है। इसके चारों ओर अलंकृत परिक्रमा पथ है जिसमें प्रवेश के लिए चार तोरण द्वार बनाए गए हैं। ये तोरण द्वार कला और स्थापत्य के उत्कृष्ट नमूने हैं। इन पर भगवान बुद्ध के जीवन को जीवन को प्रतीक रूप में उत्कीर्ण किया गया है। इसके अलावा कई जातक कथाएँ भी उत्कीर्ण हैं।

(ब)

साँची के संग्रहालय में क्या संग्रहीत हैं?

उत्तर

संग्रहालय में अनेक पुरातत्त्व महत्त्व की वस्तुएँ प्रदर्शित की गई हैं। जो साँची तथा इसके आस-पास के स्थानों की खुदाई में मिली हैं। यहाँ अनेक मूर्तियों तथा मंदिरों के भग्नावशेष व कलाकृतियाँ हैं। इनमें अशोक स्तंभ का सिंह चिन तथा बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उपयोग किये जाने वाले पात्र देखते ही बनते हैं। यह साँची के उत्खनन में प्राप्त हुए हैं। संग्रहालय में साँची और उसके पास स्थित सतधारा की खुदाई और खोज के समय के कई चित्र लगे हैं। इनसे पता चलता है कि इन स्तूपों को संरक्षित रखने में कितना परिश्रम और कौशल लगा है।

(स)

स्तूप क्रमांक 1 की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर

स्तूप क्रमांक 1 विश्व प्रसिद्ध स्तूप है। इसमें प्रवेश के लिए जो चार तोरण द्वार बनाए गए हैं, वे कला और स्थापस्थ के श्रेष्ठ उदाहरण हैं। यही नहीं इसके चारों ओर अलंकृत परिक्रमा-पथ है।

(द)

साँची के इतिहास से जुड़ी प्रसिद्ध किंवदंतियाँ कौन-कौन-सी हैं?

उत्तर

साँची के इतिहास से जुड़ी प्रसिद्ध किंवदंतियाँ दो हैं

- युवराज वसंतारा ने धर्म और दया के लिए अपना सर्वस्व दान कर दिया था।

http://www.mpboardonline.com

- भगवान बुद्ध ने अपने पूर्व जन्म में वानरराज के रूप में अपने दल की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया था।

(ई)

साँची के स्तूप का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर

साँची का स्तूप विश्व प्रसिद्ध है। यह विश्व के धरोहरों में से एक है। यह अपने स्तूपों, विहारों, भंदिरों, स्तंभों तथा तोरणद्वारों के लिए प्रसिद्ध है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.

बोलिए और लिखिएकम्बोडिया, संग्रहालय, भग्नावशेष, कलाकृतियाँ, उत्खनन, मंजूषा।

उत्तर

कम्बोडिया, संग्रहालय, भग्नावशेष, कलाकृतियाँ, उत्खनन, मंजूषा।

प्रश्न 2.

निम्नलिखित में से सही शब्द पहचानकर खाली स्थान में लिखिए

पर्यटक, पयर्टक, परयटक ……..

मंजूसा, मंजुशा, मंजूषा ……

विहार, बिहार, बीहार ……

उत्कीरन, उत्कीर्ण, उतकिर्ण ……..

उत्तर-

पर्यटक, मंजूषा, विहार, उत्कीर्ण।

प्रश्न 3.

'सतधारा' शब्द में 'सत' के साथ 'धारा' लगाकर नया शब्द 'सतधारा' बना है। इसी प्रकार 'धारा' लगाकर निम्नलिखित शब्दों से नए शब्द बनाइए

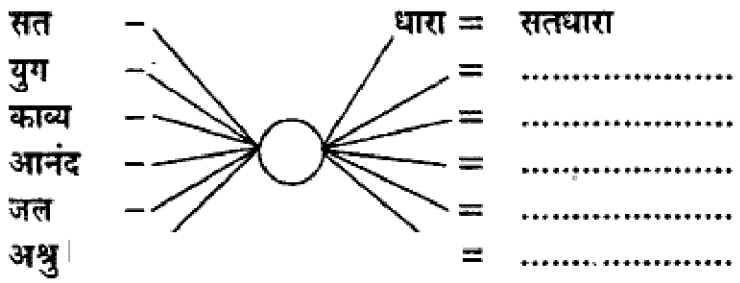

उत्तर

सत	–	धारा	=	सतधारा
युग	–	धारा	=	युगधारा
काव्य	–	धारा	=	काव्यधारा
आनंद	–	धारा	=	आनंदधारा
जल	–	धारा	=	जलधारा
अश्रु	–	धारा	=	अश्रुधारा

प्रमुख गणेशों की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्याएँ

1. बौद्ध धर्म भारत का ही नहीं बल्कि संसार के अनेक देशों चीन, जापान, मंगोलिया, तिब्बत, नेपाल, म्यांमार, कम्बोडिया आदि का प्रमुख धर्म है। साँची का बौद्ध स्तूप विश्व धरोहरों में से एक है। बौद्धधर्म के प्रवक भगवान गौतम बुद्ध हैं। साँची प्राचीन काल में बौद्ध धर्म का प्रमुख केन्द्र था। साँची अपने स्तूपों, बिहारों, मंदिरों, स्तंभों तथा तोरणद्वारों के लिए प्रसिद्ध

शब्दार्थ
स्तूप-शिखर ।

प्रवर्तक
स्थापक। तोरणद्वारों-किसी घर या नगर का बाहरी द्वार, जिस पर सजावट की गई हो।

संदर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक 'सुगम भारती' (हिंदी सामान्य) भाग-8 के पाठ-16 'साँची' से ली गई हैं।

प्रसंग – एस्तुत पंक्तियों में लेखक ने बौद्ध धर्म का महत्त्व बतलाते हुए कहा है कि

व्याख्या
बौद्ध धर्म न केवल हमारे ही देश का एक महान और प्रमुख धर्म है, अपितु यह तो संसार के कई देशों का भी एक प्रमुख और बड़ा धर्म है। इस प्रकार के देश चीन, जापान, मंगालिया, तिब्बत, नेपाल, म्यांमार, कम्बोडिया आदि अधिक उल्लेखनीय हैं। संसार के बौद्ध स्तूपों में साँची का बौद्ध स्तूप भी बहुत प्रसिद्ध है। यह हम सभी जानते हैं कि महात्मा गौतम युद्ध ही बौद्ध धर्म के प्रर्वत्तक हैं। साँची बहुत पुराने सार से की बोद्ध धर्म में सुख बंन्द्रों में से एक था। वह अपने शिखरों, हारों, मंदिरों ओर स्तम्भों एवं तोरण द्वारा के लिए प्रसिद्ध है।